परिशिष्ट सारणी IV.13: सूक्ष्म वित्त कार्यक्रमों की प्रगति

(मार्च के अंत तक)

मद	स्वयं सहायता समूह							
	संख्या (लाख में)				राशि(₹ करोड़ में)			
	2015-16	**2016-17**	**2017-18**	**2018-19**	**2015-16**	**2016-17**	**2017-18**	**2018-19**
बैंकों द्वारा वितरित ऋण	18.3	19.0	22.6	27.0	37,287	38,781	47,186	58,318
	(9.3)	(9.9)	(13.8)	(17.8)	(19406.0)	(20012.0)	(27479.0)	(36818.0)
बैंकों का बकाया ऋण	46.7	48.5	50.2	50.8	57,119	61,581	75,598	87,098
	(25.0)	(28.1)	(30.8)	(35.1)	(30589.0)	(34127.0)	(43575.0)	(58431.0)
बैंकों में जमा बचत	79	85.8	87.4	100.1	13,691	16,114	19,592	23,324
	(39.0)	(42.9)	(46.1)	(60.2)	(7251.0)	(8679.0)	(11784.0)	(14481.0)
	सूक्ष्म वित्त संस्थाएं							
	संख्या (लाख में)				राशि(₹ करोड़ में)			
बैंकों द्वारा वितरित ऋण	647	2,314	1,922	1,933	20,796	19,304	25,515	14,626
बैंकों का बकाया ऋण	2,020	5,357	5,073	5,488	25,581	29,225	32,306	17,761
	संयुक्त देयता समूह							
	संख्या (लाख में)				राशि(₹ करोड़ में)			
बैंकों द्वारा वितरित ऋण	5.7	7.0	10.2	16.0	6161	9511	13955	30947

टिप्पणियां : 1.कोष्ठक में दिए गए आंकड़े 2015-16, 2016-17, 2017-18 और 2018-19 के लिए राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) और राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन(एनयूएलएम) के तहत शामिल एसएचजी का विवरण देते हैं।

2.बैंकों से ऋण लेने वाले एमएफआई की वास्तविक संख्या खातों की संख्या से कम होगी, क्योंकि अधिकांश एमएफआई एक ही बैंक से कई बार और एक से अधिक बैंकों से भी ऋण लेते हैं।

स्रोत: नाबार्ड